मशरूम उत्पादन को लेकर 6-12 तक सात दिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण का आयोजन

सीमा किरण

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय किसानों को मशरूम उत्पादन तकनीक की जानकारी देने के लिए 06 से 12 दिसंबर तक सात दिवसीय व्यावहारिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण का आयोजन करने जा रहा है। कृषि महाविद्यालय, बीकानेर के पादप रोग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ दाताराम कुम्हार ने बताया कि कुलपति डॉ अरुण कुमार के निर्देशानुसार किसानों को मशरूम उत्पादन, संरक्षण, व्यावसायिक खेती समेत विस्तृत जानकारी देने के लिए कृषि महाविद्यालय के पादप रोग विज्ञान विभाग की मशरूम उत्पादन इकाई द्वारा मशरूम उत्पादन तकनीकी विषय पर सात दिवसीय व्यवहारिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है।

डॉ दाताराम ने बताया कि इस प्रशिक्षण के लिए अधिकतम कुल 50 सीट्स रखी गयी है। सीट का निर्धारण पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा।

किसानों के लिए पंजीयन निशुल्क रखा गया है। अन्य व्यक्तियों के लिए पंजीयन शुल्क 1500 रुपए रखा गया है। प्रशिक्षण के दौरान भोजन एवं रहने की व्यवस्था प्रशिक्षणार्थियों को स्वयं करनी होगी। उन्होने बताया कि इस प्रशिक्षण के दौरान मशरूम की खेती से संबंधित विभिन्न पहलुओं की व्यवहारिक एवं प्रायोगिक जानकारी देश के प्रख्यात मशरूम वैज्ञानिकों द्वारा दी जाएगी।

डॉ दाताराम ने बताया कि देश के ख्यातनाम मशरूम वैज्ञानिक प्रतिभागियों को साल भर मशरूम की खेती कैसे करें, मशरूम की कृषि व्यवसाय में संभावनाएं, मशरूम का पोषण व औषधीय महत्व, मशरूम संरक्षण की तकनीक, स्पान बनाने की जानकारी, व्यावसायिक मशरूम फार्म संरचना, मशरूम की खेती के लिए कृषि विभाग अनुदान योजना, बटन, ढींगरी व मिल्की मशरूम उत्पादन की कंपोस्टिंग व उत्पादन की विधि, मशरूम के व्यंजन व मूल्य संवर्धन उत्पाद, बटन मशरूम के लिए केसिंग, पिकिंग व पैकिंग इत्यादि की विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

मशरूम उत्पादन को लेकर सात दिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण कल से

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय किसानों को मशरूम उत्पादन तकनीक की जानकारी देने के लिए 6 से 12 दिसंबर तक सात दिवसीय व्यावहारिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण का आयोजन करने जा रहा है। पादप रोग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दाताराम कुम्हार ने बताया कि कुलपति डॉ. अरुण कुमार के निर्देशानुसार किसानों को मशरूम उत्पादन, संरक्षण, व्यावसायिक खेती समेत विस्तृत जानकारी देने के लिए मशरूम उत्पादन तकनीकी विषय पर सात दिवसीय व्यावहारिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है।

इस प्रशिक्षण के लिए अधिकतम कुल 50 सीट रखी गई हैं। सीट का निर्धारण पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। किसानों के लिए पंजीयन निशुल्क रखा गया है।

एसकेआरएयूः मशरूम उत्पादन को लेकर 6-12 दिसंबर तक सात दिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण का आयोजन

ओम एक्सप्रेस

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय किसानों को मशरूम उत्पादन तकनीक की जानकारी देने के लिए 06 से 12 दिसंबर तक सात दिवसीय व्यावहारिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण का आयोजन करने जा रहा है। कृषि महाविद्यालय, बीकानेर के पादप रोग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ दाताराम कुम्हार ने बताया कि कुलपति डॉ अरुण कुमार के निर्देशानुसार किसानों को मशरूम उत्पादन, संरक्षण, व्यावसायिक खेती समेत विस्तृत जानकारी देने के लिए कृषि महाविद्यालय के पादप रोग विज्ञान विभाग की मशरूम उत्पादन इकाई द्वारा मशरूम उत्पादन तकनीकी विषय पर सात दिवसीय व्यवहारिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। डॉ दाताराम ने बताया कि इस प्रशिक्षण के लिए अधिकतम कुल 50 सीट्स रखी गयी है। सीट का निर्धारण पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा।

किसानों के लिए पंजीयन निशुल्क रखा गया है। अन्य व्यक्तियों के लिए पंजीयन शुल्क 1500 रुपए रखा गया है। प्रशिक्षण के दौरान भोजन एवं रहने की व्यवस्था प्रशिक्षणार्थियों को स्वयं करनी होगी। उन्होने बताया कि इस प्रशिक्षण के दौरान मशरूम की खेती से संबंधित विभिन्न पहलुओं की व्यवहारिक एवं प्रायोगिक जानकारी देश के प्रख्यात मशरूम वैज्ञानिकों द्वारा दी जाएगी।

डॉ दाताराम ने बताया कि देश के ख्यातनाम मशरूम वैज्ञानिक प्रतिभागियों को साल भर मशरूम की खेती कैसे करें, मशरूम की कृषि व्यवसाय में संभावनाएं, मशरूम का पोषण व औषधीय महत्व, मशरूम संरक्षण की तकनीक, स्पान बनाने की जानकारी, व्यावसायिक मशरूम फार्म संरचना, मशरूम की खेती के लिए कृषि विभाग अनुदान योजना, बटन, ढींगरी व मिल्की मशरूम उत्पादन की कंपोस्टिंग व उत्पादन की विधि, मशरूम के व्यंजन व मूल्य संवर्धन उत्पाद, बटन मशरूम के लिए केसिंग, पिकिंग व पैकिंग इत्यादि की विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

एसकेआरएयूः मशरूम उत्पादन को लेकर 6-12 दिसंबर तक सात दिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण का आयोजन

अनूपगढ़ ज्योति न्यूज

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय किसानों को मशरूम उत्पादन तकनीक की जानकारी देने के लिए 06 से 12 दिसंबर तक सात दिवसीय व्यावहारिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण का आयोजन करने जा रहा है। कृषि महाविद्यालय, बीकानेर के पादप रोग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ दाताराम कुम्हार ने बताया कि कुलपति डॉ अरुण कुमार के निर्देशानुसार किसानों को मशरूम उत्पादन, संरक्षण, व्यावसायिक खेती समेत विस्तृत जानकारी देने के लिए कृषि महाविद्यालय के पादप रोग विज्ञान विभाग की मशरूम उत्पादन इकाई द्वारा मशरूम उत्पादन तकनीकी विषय पर सात दिवसीय व्यवहारिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। डॉ दाताराम ने बताया कि इस प्रशिक्षण के लिए अधिकतम कुल 50 सीट्स रखी गयी है। सीट का निर्धारण पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। किसानों के लिए पंजीयन निशुल्क रखा गया है। अन्य व्यक्तियों के लिए पंजीयन शुल्क 1500 रुपए रखा गया है। प्रशिक्षण के दौरान भोजन एवं रहने की व्यवस्था प्रशिक्षणार्थियों को स्वयं करनी होगी। उन्होने बताया कि इस प्रशिक्षण के दौरान मशरूम की खेती से संबंधित विभिन्न पहलुओं की व्यवहारिक एवं प्रायोगिक जानकारी देश के प्रख्यात मशरूम वैज्ञानिकों द्वारा दी जाएगी। डॉ दाताराम ने बताया कि देश के ख्यातनाम मशरूम वैज्ञानिक प्रतिभागियों को साल भर मशरूम की खेती कैसे करें, मशरूम की कृषि व्यवसाय में संभावनाएं, मशरूम का पोषण व औषधीय महत्व, मशरूम संरक्षण की तकनीक, स्पान बनाने की जानकारी, व्यावसायिक मशरूम फ ार्म संरचना, मशरूम की खेती के लिए कृषि विभाग अनुदान योजना, बटन, ढींगरी व मिल्की मशरूम उत्पादन की कंपोस्टिंग व उत्पादन की विधि, मशरूम के व्यंजन व मूल्य संवर्धन उत्पाद, बटन मशरूम के लिए केसिंग, पिकिंग व पैकिंग इत्यादि की विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

एसकेआरएयूः मशरूम उत्पादन को लेकर 6-12 दिसंबर तक सात दिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण का आयोजन

■ लोकमत , बीकानेर

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय किसानों को मशरूम उत्पादन तकनीक की जानकारी देने के लिए 06 से 12 दिसंबर तक सात दिवसीय व्यावहारिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण का आयोजन करने जा रहा है। कृषि महाविद्यालय, बीकानेर के पादप रोग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ दाताराम कुम्हार ने बताया कि कुलपति डॉ अरुण कुमार के निर्देशानुसार किसानों को मशरूम उत्पादन, संरक्षण, व्यावसायिक खेती समेत विस्तृत जानकारी देने के लिए कृषि महाविद्यालय के पादप रोग विज्ञान विभाग की मशरूम उत्पादन इकाई द्वारा मशरूम उत्पादन तकनीकी विषय पर सात दिवसीय व्यवहारिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। डॉ दाताराम ने बताया कि इस प्रशिक्षण के लिए अधिकतम कुल 50 सीट्स रखी गयी है। सीट का निर्धारण पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। किसानों के लिए पंजीयन निशुल्क रखा गया है। अन्य व्यक्तियों के लिए पंजीयन शुल्क 1500 रुपए रखा गया है। प्रशिक्षण के दौरान भोजन एवं रहने की व्यवस्था प्रशिक्षणार्थियों को स्वयं करनी होगी। उन्होने बताया कि इस प्रशिक्षण के दौरान मशरूम की खेती से संबंधित विभिन्न पहलुओं की व्यवहारिक एवं प्रायोगिक जानकारी देश के प्रख्यात मशरूम वैज्ञानिकों द्वारा दी जाएगी। डॉ दाताराम ने बताया कि देश के ख्यातनाम मशरूम वैज्ञानिक प्रतिभागियों को साल भर मशरूम की खेती कैसे करें, मशरूम की कृषि व्यवसाय में संभावनाएं, मशरूम का पोषण व औषधीय महत्व, मशरूम संरक्षण की तकनीक, स्पान बनाने की जानकारी, व्यावसायिक मशरूम फार्म संरचना, मशरूम की खेती के लिए कृषि विभाग अनुदान योजना, बटन, ढींगरी व मिल्की मशरूम उत्पादन की कंपोस्टिंग व उत्पादन की विधि, मशरूम के व्यंजन व मूल्य संवर्धन उत्पाद, बटन मशरूम के लिए केसिंग, पिकिंग व पैकिंग इत्यादि की विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

एसकेआरएयू : मशरूम उत्पादन को लेकर 6-12 दिसंबर तक सात दिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण का आयोजन

राजस्थान प्रदीप रिपोर्टर

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय किसानों को मशरूम उत्पादन तकनीक की जानकारी देने के लिए 06 से 12 दिसंबर तक सात दिवसीय व्यावहारिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण का आयोजन करने जा रहा है। कृषि महाविद्यालय, बीकानेर के पादप रोग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ दाताराम कुम्हार ने बताया कि कुलपति डॉ अरुण कुमार के निर्देशानुसार किसानों को मशरूम उत्पादन, संरक्षण, व्यावसायिक खेती समेत विस्तृत जानकारी देने के लिए कृषि महाविद्यालय के पादप रोग विज्ञान विभाग की मशरूम उत्पादन इकाई द्वारा मशरूम उत्पादन तकनीकी विषय पर सात दिवसीय व्यवहारिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है।

डॉ दाताराम ने बताया कि इस प्रशिक्षण के लिए अधिकतम कुल 50 सीट्स रखी गयी है। सीट का निर्धारण पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। किसानों के लिए पंजीयन निशुल्क रखा गया है। अन्य व्यक्तियों के लिए पंजीयन शुल्क 1500 रुपए रखा गया है। प्रशिक्षण के दौरान भोजन एवं रहने की व्यवस्था प्रशिक्षणार्थियों को स्वयं करनी होगी। उन्होने बताया कि इस प्रशिक्षण के दौरान मशरूम की खेती से संबंधित विभिन्न पहलुओं की व्यवहारिक एवं प्रायोगिक जानकारी देश के प्रख्यात मशरूम वैज्ञानिकों द्वारा दी जाएगी।

डॉ दाताराम ने बताया कि देश के ख्यातनाम मशरूम वैज्ञानिक प्रतिभागियों को साल भर मशरूम की खेती कैसे करें, मशरूम की कृषि व्यवसाय में संभावनाएं, मशरूम का पोषण व औषधीय महत्व, मशरूम संरक्षण की तकनीक, स्पान बनाने की जानकारी, व्यावसायिक मशरूम फार्म संरचना, मशरूम की खेती के लिए कृषि विभाग अनुदान योजना, बटन, ढींगरी व मिल्की मशरूम उत्पादन की कंपोस्टिंग व उत्पादन की विधि, मशरूम के व्यंजन व मूल्य संवर्धन उत्पाद, बटन मशरूम के लिए केसिंग, पिकिंग व पैकिंग इत्यादि की विस्तृत जानकारी दी जाएगी।